जगातील सर्वात मोठे मंदिर | यूनेस्को प्रमाणित वर्ल्ड हेरिटेज साईट

(मुंबई ते मुंबई)
यात्रा पॅकेज
रु. 1,18,000/-
(All-inclusive with airfare)

अंगकोरवाट विष्णूधाम
कंबोडिया धर्मयात्रा

Early Bird DISCOUNT

~~Rs. 1,18,000/-~~
Rs. 1,12,000/-
till 25th July 2025

मार्गदर्शक : प्रा. क्षितिज पाटुकले
प्रख्यात लेखक, भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृती, विरासत, मंदिर स्थापत्य तज्ज्ञ,
संस्थापक - भीष्म स्कूल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टिम

GROUP DISCOUNT
* चार + व्यक्तींच्या ग्रुपसाठी प्रत्येकी रु. 3,000/- ची सवलत

| 13 ते 19 सप्टेंबर 2025 |

6 दिवस व 5 रात्र (कंबोडिया)

अंगकोरवाट | बयॉन | ता प्रोम | निक पिऑन | प्रा रूप | टोनले सॅप
अंगकोर थॉम | बांटीश्री | बाखेंग | कबाल स्पीयान | प्रसत क्रावन

५ स्टार हॉटेल | AC वाहन
शाकाहारी भोजन

त्वरित ऑनलाईन नोंदणी करा :-

- www.vishwamandirparishad.org/cambodiaseptember2025
- व्हॉट्सअपवर माहिती मागविण्यासाठी 'Angkorwat September 2025' असा व्हॉट्सअप संदेश 7066250362 वर पाठवा.

अपूर्वा राऊत - 9309462627 | वेदांत कुलकर्णी - 7066250362

विश्व मंदिर परिषद |
C / O भीष्म स्कूल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टिम, ६२२, जानकी रघुनाथ, पुलचीवाडी, डेक्कन जिमखाना, पुणे - ०४

कंबोडिया अंगकोरवाट विष्णुधाम धर्मयात्रा

कंबोडिया दुनिया का एकमात्र देश है जिसने अपने राष्ट्रीय ध्वज पर एक हिंदू मंदिर को स्थान दिया है और अपनी मुद्रा रियाल पर एक हिंदू मंदिर की तस्वीर छापी है। कंबोडिया की आज की अर्थव्यवस्था हिंदू मंदिरों और उनसे विकसित हुई पर्यटन संस्कृति पर चलती है। कंबोडिया आज के थाईलैंड और व्हिएतनाम देशों के बीच स्थित एक देश है। एक तरफ कंबोडिया समुद्र से घिरा है और दूसरी तरफ लाओस, व्हिएतनाम और थाईलैंड से। ईस्वी पहली शताब्दी (लगभग 65 ईस्वी) में, कौडिन्य नाम का एक युवा और साहसी नाविक 14-15 जहाजों के बेड़े के साथ दक्षिण भारत से कंबोडिया तक जानेवाला पहला भारतीय था। उन्होंने वहां सोमा नाम की एक नागा राजकुमारी से विवाह किया और मेकांग नदी की घाटी में फुनान नामक एक हिंदू राज्य की स्थापना की। फुनान, चेन ला और ख्मेर राजवंशों ने प्राचीन कंबुज देश पर शासन किया। कंबोडिया में भी भारत की तरह ही मंदिर बनाये गये। भारत से पंडित, विद्वान, वास्तुकार लगातार कंबोडिया जाते रहते थे और ग्रंथोंका तथा वास्तुकला का परस्पर आदान-प्रदान होता था। कंबोडियाई मंदिर वास्तुकला दक्षिण भारतीय मंदिर वास्तुकला से प्रभावित है। 'महामेरू' की संकल्पना के अनुरूप वहां मेरू पर्वत की तरह पूरा मंदिर बनाने के प्रयोग भी किये गये। भारत और कंबोडिया के बीच की दूरी लगभग 5,000 किमी है। भारत से कंबोडिया जाने के लिए बैंकॉक, थाईलैंड से या फिर सिंगापुर, मलेशिया से जाना पड़ता है। भारत से यह आमतौर पर पांच से साढ़े पांच घंटे की उड़ान है। नोम पेन्ह - कंबोडिया की राजधानी है लेकिन मंदिरों, वास्तुकला और पर्यटन के लिए सियाम रीप यह शहर मध्यवर्ती है।

• अंगकोरवाट विष्णुधाम

विश्व का सबसे बड़ा मंदिर श्री विष्णु मंदिर पूजा स्थल - श्री विष्णु मंदिर: अंगकोरवाट मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में विश्व प्रसिद्ध है, ख्मेर साम्राज्य का अलौकिक रत्न और दुनिया के सभी धर्मों का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल है। अवधारणा, डिज़ाइन, वास्तुकला की दृष्टि से 'भव्य' और 'विशाल' शब्द अपर्याप्त है, ऐसा यह एक अद्भुत और असाधारण मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण ख्मेर राजा सूर्यवर्मन द्वितीय (1113-1150 ईस्वी) ने करवाया था। इसके चारों तरफ बड़ी-बड़ी खाइयाँ हैं और उनके ऊपर पत्थर के पुल बने हुए हैं। यह मंदिर 510 एकड़ के विशाल क्षेत्र में बना हुआ है। मंदिर के रास्ते में हर पड़ाव पर प्राचीरें हैं। यहां की आठ भुजाओं वाली विष्णु प्रतिमा लगभग 15 फीट ऊंची है। मंदिर के अंदर की प्राचीर पत्थर की भित्तिचित्रों से ढकी हुई है। इस प्राचीर ने पूरे मंदिर को ढक रखा है। ये किलेबंदी एक के ऊपर एक हैं। इसकी संरचना एक पिरामिड की तरह है जिसकी 5 चोटियाँ आकाश में ऊँची उठी हुई हैं। मुख्य मंदिर 220 फीट ऊंचा है। इस मंदिर में 10 फीट ऊंची और 300 फीट लंबी 8 मूर्तियां हैं। जब यह मंदिर बनकर तैयार हुआ और आसपास का क्षेत्र आबाद हुआ, तब लंदन की जनसंख्या 3,000 थी और 'अंगकोरवाट' की जनसंख्या दस लाख थी!

● अंगकोर थॉम और बयोन

अंगकोर थॉम ख्मेर सम्राट जयवर्मन (सातवाँ) की राजधानी थी। लगभग 9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली इस राजधानी में राजा ने विभिन्न मंदिरों का निर्माण कराया। पूरा अंगकोर थॉम क्षेत्र पत्थर की दीवारों से घिरा हुआ है। इसके चारों ओर खाई खोदी गई थी। इन खाईयों तक पहुँचने के लिए पत्थर के पुलों का निर्माण किया गया था। इस पुल की चट्टान पर समुद्र मंथन के प्रतीक नाग और देवताओं तथा राक्षसों की बड़े आकार की मूर्तियाँ खुदी हुई हैं। प्रवेशद्वार के निकट शिखर पर चारों ओर से मानवीय चेहरे दिखाई देते हैं। उसके इस क्षेत्र में बयोन नामक एक भव्य मंदिर बनवाया है। यह बहुत सुविचारित है और अवश्य देखना चाहिए। मुख्य मंदिर के शीर्ष के चारों ओर उन्होंने 50 से अधिक मीनारें बनवाई और प्रत्येक मीनार के शीर्ष के चारों ओर चार दिशाओं में लोकेश्वर बोधिसत्व के चेहरे उकेरे। फिलहाल 37 मीनार बचे हैं। यह वास्तुकला बेहद आकर्षक है। मंदिर का शिखर और उस पर उकेरे गए मानवी चेहरे दुनिया में कहीं और नहीं पाए जाते हैं।

● बांटी श्री अर्थात त्रिभुवन महेश्वर मंदिर

इसवी 10 वी शताब्दी में ख्मेर राजवंश के राजेंद्र वर्मा द्वितीय (944 - 968 ई.) ने शासन किया। बांटी श्री मंदिर उन्हीं के समय में बने हैं। पत्थर की नक्काशी के मामले मेंबांटी श्री सबसे अनोखा मंदिर है। काम इतना बारीक और खुबसूरत है कि लगता है मानो लकड़ी पर उकेरे हुए हैं। उस मंदिर के एक शिलालेख में लिखा है कि इस कार्य के लिए जानबूझकर कुशल मूर्तिकारों को भारत से आमंत्रित किया गया था। इस मंदिर में खांडववन दहन, कंसवध, हिरण्यकशिपु वध, कैलासतोलन, कामदेव दहन, तारा विलाप जैसी बहुत ही बेहतरीन मूर्तियां खुदी हुई हैं

• कबाल स्पियन - विष्णू पद तीर्थ

यह स्थान सिएम रीप से 40 किमी दूर है। सिएम रीप नदी इस पर्वत से निकलती है और सिएम रीप शहर की ओर बढ़ती है। पहाड़ी की चोटी पर चट्टान में कई शिवलिंग खुदे हुए हैं। इस शिवलिंग के साथ-साथ यहां नदी तल में एक चट्टान पर भगवान ब्रह्मा भी उत्कीर्ण हैं। लेकिन यहां देखने लायक एक और विशेषता यहां भगवान विष्णु की छवि है। जिस चट्टान से होकर यह नदी बहती है उस पर भगवान शेषशायी की नक्काशी की गई है। इस बहते पानी को विष्णू पद तीर्थ कहा जाता है।

• ता प्रोम और प्री खा वृक्ष मंदिर

ये राजा जयवर्मन (सातवाँ) द्वारा निर्मित अद्भुत बौद्ध मंदिर हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां देवी प्रज्ञा परमिता का मंदिर है। यहां 12 वीं शताब्दी के आसपास बने मंदिर हैं। लगभग 400 वर्षों तक अंगकोर साम्राज्य का संपूर्ण क्षेत्र पूर्णतः उपेक्षित रहा। एक फ्रांसीसी जीवविज्ञानी, औरी माउ, कुछ वनस्पतियों की तलाश में यहां आए थे और उन्हें मंदिर के खंडहर मिले। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से इसे साफ़ किया और एक-एक करके मंदिर को पेड़ों की झुरमुट से बाहर निकाला। इस प्रकार असंख्य मंदिर प्रकाश में आये। लगभग 400 वर्षों तक यह मंदिर पेड़ों की जड़ों से घिरा रहा। अगर आसपास के पेड़ काटे जाएंगे तो मंदिर भी ढह जाएंगे। इसलिए उन पेड़ों को वैसे ही रखकर इन मंदिरों को साफ कर दिया गया है। कंबोडियाई सरकार ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इन्हें वृक्ष मंदिर का नाम दिया है। ता प्रोम मंदिरों का दौरा करते समय, कभी हम किसी पेड़ के तने के बीच से गुजरते हैं तो कभी उसकी शाखाओं के बीच से, यह एक अद्भुत अनुभव होता है।

हालहीमें धर्मयात्रामें शामिल हुए यात्रियों की तस्वीरें

• ता प्रोम मंदिर

• अंगकोरवाट

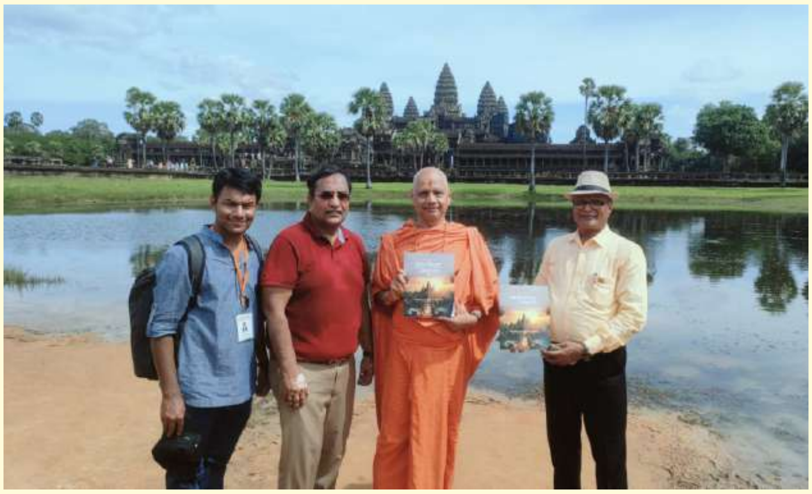

यात्रा का कार्यक्रम - 13 से 19 सितंबर 2025 - 5 रातें 6 दिन - कंबोडियामें

आगमन एयरपोर्ट का नाम - सिएम रीप अंगकोर (Siem Reap Angkor) - एयरपोर्ट कोड SAI

दिन	तारीख	जगह	दिन	तारीख	जगह
1	**13 सितंबर**	मुंबई/भारत से प्रस्थान	5	**17 सितंबर**	सियाम रिप
2	**14 सितंबर**	सियाम रिप में आगमन	6	**18 सितंबर**	सियाम रिप
3	**15 सितंबर**	सियाम रिप	7	**19 सितंबर**	सियाम रिप से प्रस्थान
4	**16 सितंबर**	सियाम रिप	8	**20 सितंबर**	मुंबई/भारत में आगमन

विदेशोंसे आनेवाले यात्री
अरायव्हल : 14 सितंबर 11.45am के पहले ; **प्रस्थान :** 19 सितंबर सुबह

- **दिन 1 (13 सितंबर)**
  - मुंबई /भारत से प्रस्थान

- **दिन 2 (14 सितंबर)**
  - सुबह - सियाम रीप हवाई अड्डे पर आगमन... इमिगरेशन प्रक्रिया - होटल तक ड्राइव, होटल में चेक इन, टेंपल टिकट
  - दोपहर - राष्ट्रीय संग्रहालय, अप्सरा नृत्य होटल में, भोजन और होटल में विश्राम

- **दिन 3 (15 सितंबर)**
  - सुबह - अंगकोर थॉम , बयॉन, एलिफंट टेरेस, लेपर्ड किंग टेरेस, फीमनमेकस आणि रोयल पॅलेस
  - दोपहर - 2:30 pm - ता प्रोम, निक पियान, सरा सरंग

- **दिन 4 (16 सितंबर)**
  - सुबह - प्रात: 5.00am अंगकोरवाट मंदिर का दर्शन
  - दोपहर - 2:00 p.m. - टोनले सैप, द फ्लोटिंग विलेज

- **दिन 5 (17 सितंबर)**
  - सुबह - 8:00 a.m. कबाल स्पीयान, बांटी श्री,
  - दोपहर - प्रा रूप, बाकोंग, बाखेंग- सन सेट

- **दिन 6 (18 सितंबर)**
  - सुबह - प्री खा, बांटी कड़ाई, स्रा स्राग, बापुऑन, प्रसत क्रावन
  - दोपहर - 4:00 p.m. शॉपिंग टाइम, पब स्ट्रीट, नाइट मार्केट

- **दिन 7 (19 सितंबर)**
  - सुबह का नाश्ता - होटल से चेकआउट और हवाई अड्डे की ओर प्रस्थान

धर्मयात्रा पैकेज - 6 दिन और 5 रातें - कंबोडियामें

भारत से आनेवाले यात्री : ₹ 1,18,000/- (सभी खर्चे समाविष्ट - फ्लाईट टिकिट के साथ) मुंबई से मुंबई

पंजीकरण करते समय - बुकिंग राशी : ₹ 75,000 /-

Account Name : Vishwa Mandir Foundation

Bank : Bank of Maharashtra

Account No. : 60358923479

IFSC Code : MAHB0000003

Branch : Deccan Gymkhana, Pune 411004

विदेशों से आनेवाले यात्रीओं के लिए पॅकेज : USD 900/- + व्हिसा + हवाई यात्रा किराया

पंजीकरण करते समय - बुकिंग राशी : USD 500 |

Yatri from USA can pay by Zelle Code | **Zelle Code :** bhishmaindicusa@gmail.com

Booking Link : www.vishwamandirparishad.org/cambodiaformjun2025

ग्रुप बुकिंग छूट : ग्रुप में 4 या अधिक व्यक्तियों के लिए - रु. 3000/- प्रति व्यक्ति

एक व्यक्ति द्वारा पूर्ण कमरा अतिरिक्त शुल्क : रु. 18,000/- या USD 250 - 5 दिनों के लिए

एक अतिरिक्त दिन ठहरने के लिए : एक दिन अतिरिक्त ठहरना - रु. 8000/- या USD 100 (2 व्यक्तियों के लिए प्रति दिन)

निर्देश और जानकारी :

1) कंबोडिया के अधिकांश मंदिरों में बहुत अधिक पैदल चलना नहीं पड़ता है, लेकिन अंगकोरवाट विष्णुधाम मंदिर में, आपको 3 से 4 घंटे में कुल 3 किमी पैदल चलना होगा ।

2) ता प्रोम में, आपको 2 घंटे में कुल 1.5 किमी से 2 किमी पैदल चलना होगा

3) व्हील चेयर अतिरिक्त शुल्क पर उपलब्ध है

हवाई किराया और फ्लाइट टिकट बुकिंग के बारे में :

1) कंबोडिया में लैंडिंग एयरपोर्ट का नाम सिएम रीप अंगकोर है और इसका कोड SAI (Siem Reap Angkor) है।

2) होटल पहुँचने पर आपको एक स्थानीय सिम कार्ड दिया जाएगा। इसलिए आप पूरे दौरे के दौरान व्हाट्सएप के ज़रिए सभी से जुड़े रहेंगे।

यात्रा में शामिल चीजें :

1) हवाई यात्रा का किराया |

2) सियाम रिप में 5 रात्री का 5 स्टार होटल निवास, ट्विन शेअरिंग रूम |

3) भारतीय शाकाहारी नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात्री का खाना, नाश्ता ।

4) ब्रोशर में उल्लिखित सभी पर्यटन और मंदिर यात्राएं प्रवेश शुल्क के साथ शामिल हैं।

5) राष्ट्रीय संग्रहालय, टोनले सॅप शुल्क शामिल हैं।

6) सभी को ट्रैवल सिम कार्ड कॉलिंग + डेटा मिलेगा

7) यात्रा के दौरान प्रति व्यक्ति प्रति दिन तीन बोतल पानी मिलेगा

8) व्हिसा चार्जेस

9) ड्राइवर, सहायक आदि को दी जाने वाली टिप्स

10) गाइड की फीस

यात्रा में शामिल नहीं कि गई चीजें :

1) व्यक्तिगत खर्च जैसे खरीदारी, चिकित्सा और अन्य खर्चे

2) विमान प्रवास दरम्यान - ले ओव्हर दरम्यान का खान पान

3) ट्रैवल इन्शुरन्स

4) अन्य खर्चे जिनका उल्लेख ऊपर नहीं किया गया है

यात्रा रद्द करने की प्रक्रिया (Cancellation Policy) :

1) न्यूनतम यात्रा रद्दीकरण शुल्क (₹ 35,000/- + फ्लाईट टिकट की रकम) वापस नहीं मिलेगा ।

2) 30 दिन से पहले रद्दीकरण शुल्क (₹40,000/- + फ्लाईट टिकट की रकम) उसके बाद यात्रा रद्द नहीं की जा सकती ।

सुचना :

1) कंबोडिया में हॉटेल चेक आउट का समय सुबह 10:00 am यह है और चेक इन का समय 11:00 am to 12:00pm ऐसा होता है।

2) किसी अपरिहार्य कारणसे यात्रा कार्यक्रम में बदलाव हो सकता है।

3) साथ में रखनेकी आवश्यक चीजें: नी-कॅप्स, अंक्ललेटम पेन किलर क्रिम, आपकी दैनिक दवाएँ आदि आवश्यक वस्तुएँ।

4) ज्यूरीडीकेशन लिमिट - किसी भी न्यायिक शिकायत के लिए न्यायालयीन क्षेत्र सीमा - पुणे शहर न्यायालयीन क्षेत्र रहेगी ।

• विश्व मंदिर परिषद

मुख्य कार्यालय : 622, जानकी रघुनाथ, पुलाचीवाडी, डेक्कन जिमखाना, पुणे - 411004 महाराष्ट्र

मोबाईल : अपूर्वा राऊत - 9309462627 | वेदांत कुलकर्णी - 7066250362

व्हॉट्सअप - 8421771262

अमरीका : 10685, Grapnel Place, Cupertino, CA 95014 USA

अमरीका संपर्क - नितीन बर्वे : +1(650)315 1128